coarse-grain, is at a low level compared to previous years. However, there is regular replenishment of stocks through procurement operations in the country and the procuring agencies have been advised to maximise the procurement. The option of imports of foodgrains is also kept open, in case the need is felt on review of stocks. Simulteneously, the available stocks are being utilized judiciously to meet the reasonable requirements of the Public Distribution Systems.

राजस्थान में टी.वी. नेटवर्क का विस्तार

1816. **श्री भंवर लाल पंवार:** क्या **सूचना और प्रसारण** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या यह सच है कि सातवीं पंचवर्षीय योजना के दौरान, राजस्थान के ग्यारह जिलों में टी.वी. रिले केन्द्र स्थापित करने का प्रस्ताव था लेकिन गत चार वर्षों के दौरान केवल पाली और नागौर जिले में ही टी.वी. केन्द्र स्थापित किये जा सके हैं;

(ख) यदि हां, तो राजस्थान के शेष स्थानों अर्थात चुरू, पिलानी, झुनझुंनू, सीकर, सवाई माधोपुर, बूंदी, चित्तौड़गढ़, झालावाड़ और रावत भाटा में कब तक टी.वी. केन्द्र स्थापित कर दिये जाने की सम्भावना है; और

(ग) क्या सरकार राजस्थान के सभी टी.वी. केन्द्रों से क्षेत्रीय भाषा और लोक गीतों के सांस्कृतिक कार्यक्रमों का प्रसारण शुरू करने का विचार रखती है?

संसदीय कार्य मंत्री तथा सूचना और प्रसारण मंत्री (श्री एच०के०एल० भगत): (क) और (ख) राजस्थान राज्य से संबंधित दूरदर्शन की अनुमोदित सातवीं योजना में अनूपगढ़, बाड़मेर, बूंदी और जैसलमेर में एक-एक कुल मिलाकर 4 उच्च शक्ति दूरदर्शन ट्रांसमीटर स्थापित करने तथा बांसवाड़ा, चितौड़गढ़, चुरू, डूंगरपुर, झालावाड़, झुझुनू, नागौर, पाली, पिलानी, सवाई माधोपुर, सीकर और सिरोही में एक-एक कुल मिलाकर 12 अल्प शक्ति (100 वाट) दूरदर्शन ट्रांसमीटर स्थापित करने; रावतभाटा में एक अति अल्प शक्ति (2×10 वाट) ट्रांसमीटर स्थापित करने तथा लालसोट में दूरदर्शन ट्रांसपोजर लगाने की स्कीमें शामिल हैं। जबकि बांसवाड़ा, चितौड़गढ़, डूंगरपुर, झुझुनू, नागौर, पाली, पिलानी और सिरोही के अल्प शक्ति ट्रांसमीटर और रावतभाटा का अति अल्प शक्ति ट्रासमीटर पहले ही चालू हो गए हैं और शेष 4 अल्प शक्ति ट्रांसमीटरों को आगामी दो महीनों में चालू किए जाने की उम्मीद है, लालसोट का ट्रांसपोजर 1989 के अन्त तक चालू किए जाने की उम्मीद है। उच्च शक्ति ट्रांसमीटरों की स्थापना की प्रक्रिया में लम्बा समय लग जाता है और इनकी स्थापना तथा इनको चालू करना इन बातों पर निर्भर करता है—अपेक्षित उपकरण की सप्लाई के लिए स्वदेशी निर्माता को लगाने वाला समय, योजना राशि का वार्षिक आवंटन और विभिन्न स्थानों में आधारभूत सुविधाओं की व्यवस्था। उपर्युक्त स्कीमों के कार्यान्वयन से राजस्थान के सभी जिलों के पूर्णतया या अंशतया दूरदर्शन सेवा से कवर हो जाने की उम्मीद है।

(ग) इनसेट-2 समय संरचना के दौरान अपेक्षित सुविधाओं की उपलब्धता पर राजस्थान के सभी दूरदर्शन ट्रांसमीटरों को प्रारंभिक (प्रादेशिक) सेवा कार्यक्रमों को रिले करने के लिए दूरदर्शन केन्द्र, जयपुर से जोड़ने का विचार है।

1817. [Transferred to the 27th March, 1989]

ऊबड़-खाबड़ भूमि को समतल करने के लिए मध्य प्रदेश के आदिवासियों को सहायता

1818. **श्री अजीत जोगी:** क्या **कृषि** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या यह सच है कि केन्द्रीय सरकार पूर्वोत्तर राज्यों के आदिवासियों को झूम खेती के नियंत्रण के लिए वर्ष 1987-88 से शत-प्रतिशत अनुदान दे रही है, यदि हां, तो क्या सरकार उसी प्रकार मध्य प्रदेश के आदिवासियों को भी वहां की ऊबड़-खाबड़ भूमि को समतल करने के लिए शत-प्रतिशत मदद देने का विचार रखती है, और

(ख) यदि नहीं, तो क्या सरकार के पास ऊबड़-खाबड़ भूमि के कारण कम आय की स्थिति में सुधार लाने के लिए कोई योजना है?